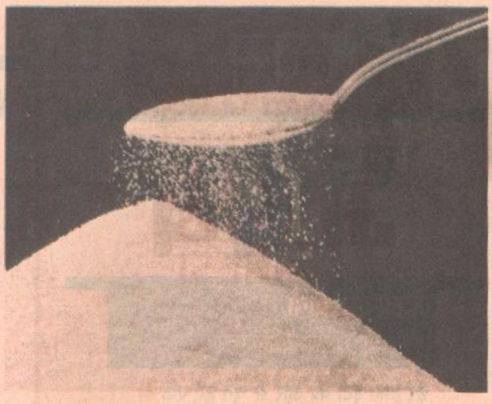

पांच महीने में शुगर प्रॉडक्शन 19% कम हुआ

[पीटीआई | नई दिल्ली]

मार्केटिंग ईयर 2016-17 के शुरुआती पांच महीनों (अक्टूबर 2016-फरवरी 2017) के दौरान देश में शुगर प्रॉडक्शन 19 फीसदी घटकर 1.624 करोड़ टन रहा है। महाराष्ट्र और कर्नाटक जैसे सूखे से प्रभावित राज्यों में गन्ने की कम सप्लाई होने के कारण चीनी के प्रॉडक्शन में यह गिरावट आई है। भारत, ब्राजील के बाद दुनिया का दूसरा बड़ा शुगर प्रोड्यूसर है और पिछले मार्केटिंग ईयर के अक्टूबर-फरवरी पीरियड के दौरान चीनी का प्रॉडक्शन 1.994 करोड़ टन रहा था। शुगर का मार्केटिंग ईयर अक्टूबर से शुरू होकर सितंबर में खत्म होता है।

इंडियन शुगर मिल्स एसोसिएशन ने एक बयान में कहा, '28 फरवरी 2017 तक के आंकड़ों के मुताबिक 257 शुगर मिलें अपना क्रसिंग ऑपरेशंस जारी रखे हुए हैं, जबकि शुगर सीजन 2015-16 की समान अवधि के दौरान 390 चीनी मिलें गन्ने की पेराई कर रहीं थीं।' उत्तर प्रदेश में चीनी मिलों ने अक्टूबर-फरवरी के दौरान 62.4 लाख टन शुगर का प्रॉडक्शन किया, जो पिछले मार्केटिंग ईयर की समान अवधि के मुकाबले 17 फीसदी ज्यादा है। पिछले मार्केटिंग ईयर की समान अवधि में यूपी की चीनी मिलों ने 53.5 लाख टन शुगर प्रॉडक्शन किया था।

वहीं, मार्केटिंग ईयर 2016-17 के अक्टूबर-फरवरी पीरियड के दौरान महाराष्ट्र में शुगर प्रॉडक्शन घटकर 41.1 लाख टन रह गया है, जो कि पिछले मार्केटिंग ईयर की समान अवधि के दौरान 70.5 लाख टन था। वहीं, कर्नाटक की चीनी मिलों ने इस पीरियड में 20.5 लाख टन शुगर का प्रॉडक्शन किया, जो कि पिछले मार्केटिंग ईयर की समान अवधि के दौरान 36.1 लाख टन था। ISMA का कहना है कि पिछले दो सालों में देश के दक्षिणी और पश्चिमी हिस्सों में सूखे के कारण प्रॉडक्शन में गिरावट आई है। ISMA का कहना है कि सूखे के कारण इन इलाकों में गन्ने के आउटपुट और प्रॉडक्टिविटी पर भी असर पड़ा है।

28 फरवरी 2017 तक के आंकड़ों के मुताबिक 257 शुगर मिलें अपना क्रसिंग ऑपरेशंस जारी रखे हुए हैं, जबकि शुगर सीजन 2015-16 की समान अवधि के दौरान 390 चीनी मिलें गन्ने की पेराई कर रहीं थीं

इंडियन शुगर मिल्स एसोसिएशन

गन्ने की सीमित उपलब्धता के कारण चीनी मिलों को जल्द अपना कामकाज बंद करना पड़ा है और शुगर प्रॉडक्शन भी कम रहा है। ISMA ने जनवरी में शुगर प्रॉडक्शन एस्टिमेंट्स को रिवाइज्ड करके 2.13 करोड़ टन कर दिया था, जबकि पहले 2.34 करोड़ टन शुगर प्रॉडक्शन का अनुमान जताया गया था। 2015-16 में शुगर आउटपुट 2.51 करोड़ टन रहा था।

V A

Economic Times
3/3/17